

२ च न क ह आदिं अलिं नाथ प ह क स नाग था स धी म क य व ग र्थ णा रु क स की सि क्क म व लि रु ड का रु क
ॐ नमः श्री व ज सत्वाय ॥ या धिग्र ह न वि धि ४ न क सः ॐ नाथ अ लि नः ल
४ ध र्म द्र का या उाः स्थाय नाः सूर्या र्घ्य गु न म धु लः य के ग व यः सि ध न र्थेः म धु ल थि ले खा
न न तेः समा धिः क ल स ङ ग वे न ना ग यः अ लि ॐ नाथः म न यू जा ॥ अग्नि स्थाय नः
वा जू नि सा ध नः भो रु नि रु य ॥ दे व यू जा ॥ ध न र लि म चा ल ख र्थ रु यः नि क्क वि पू
नू र्थः ला सा र्म रु क गु न र्क ॥ दे व या न नि स्यं ग च न यः क या ज लः ॥ का लि न किं मा म
व वूः यू नू ष ग च वि य र्कः ल किः गु नू र ला द या न का य ॥ ध न नि क्क र्म नः गु नू म
ॐ नमः श्री व ज सत्वाय ॥ या धिग्र ह न वि धि ४ न क सः ॐ नाथ अ लि नः ल
४ ध र्म द्र का या उाः स्थाय नाः सूर्या र्घ्य गु न म धु लः य के ग व यः सि ध न र्थेः म धु ल थि ले खा
न न तेः समा धिः क ल स ङ ग वे न ना ग यः अ लि ॐ नाथः म न यू जा ॥ अग्नि स्थाय नः
वा जू नि सा ध नः भो रु नि रु य ॥ दे व यू जा ॥ ध न र लि म चा ल ख र्थ रु यः नि क्क वि पू
नू र्थः ला सा र्म रु क गु न र्क ॥ दे व या न नि स्यं ग च न यः क या ज लः ॥ का लि न किं मा म
व वूः यू नू ष ग च वि य र्कः ल किः गु नू र ला द या न का य ॥ ध न नि क्क र्म नः गु नू म

आत्मासबुद्धिरुक्तं कश्चिदप्यन्यथा

छुदनकैसनयूजः शुभमधुलविसर्जनयानकै ॥ निष्कसयानं स्नाननस्यं हा
 वना ॥ ॐ नन ४ स्वरुच्युमधुलस्त्रुआकार्जविहाव्यपुनिमादिदेवनावासपा
 ॥ ॐ मूडात्मिका नृपेध ॥ निष्ठाशः स्वरुदयाः सूर्य्यः पुनिमादिदेवनायावासपा ९
 ॥ ॐ यद्वचद्वा सने निषय ॥ ॐ वज्रसुख ॥ धनमकुनमा ० सुवज्रनथिय ॥ नि
 जीजन ॥ मा ० सुसूदु ॥ नयेः नस्याचिकै द्वाहा सीनहाये ॥ ॐ सर्वे नथगनका
 पुविश्वधनेरुं स्वाहा ॥ कलसलीकः प्रव. हामः नस्याः गमथ ॥ ॐ जलसीगली ० स्वा
 ॥ दिव्यवासमहाहा ॥

दि ५ ॥ लक्ष्मीधनकाचनयर्वनाहः सुलोकनाथः सुमलप्रहीन ॥ वृद्धाविवृद्धीव
 रूपप्रनेत्रः सुसंगली. एवकु ॥ कि कली वायी ॥ ननापदिष्ट ४ यवचस्य कम्याख्या
 नविलोकेः नजदवयू ४ ॥ धर्मोक्तम ॥ कि कन ४ पुजानी नसीगली एवकुः
 ॥ कि कर्ज न वाय ४ ॥ सद्धर्मसूक्त ४ ॥ नसीगलाय ४ संधानृ. दवासूजदक्रिधिः
 या ४ य ४ धीनिवास ४ पुवजागधा नीः नसीगली एवकुः ॥ कि कर्ज न वायी ॥ यद्ध
 जला ॥ वलमाल्यसंगीन नृ. यत्पूषधूप. वजदिपविचिक्त गध ४ पूजारिप्र

नित्यमविमलप्रगीतः सुलसंगलं एव कुः पञ्चमारेषे कृष्णायै च गर्वविशान
 लाः लोः किं हलः सुषुम्नगंधमनस्यः सुसलेपनयाय ॥ बालः गवर्णीकाः सिद्धः
 पल्लवः सुसकनः सिद्धः एगलोचनः ॥ ६० ॥ सुसकनः दिगन्तोयातोलोकाय ॥ पूरुष
 नः सिद्धकायकः एगलोचनः निरुक्तिः । नरकः ॥ पूरुषयाकः स्यान्ननस्य रावना ॥ २
 शुभ्यनाकप्रधमहिर्नः वाधिविलस्यपूरुषरावयित्वा ॥ ननस्यद्वयः मृवीजा
 कर्जः नानालोकधनुः मृलित्वा अकनिष्ठशुवर्णगलाः नस्मादाकष्यः श्रीपूरुष

लीनचिन्तयेन् ॥ पाद्याः निलोक्तनार्यः लांघ्यः सुः ॥ ॥ धनहिर्गुक्तासः
 होनकः श्रीयालाहानः पूरुषयाकः पूरुषयालाहानः श्रीयाकनस्य होनकः
 वाक् ॥ ॥ पूरुषनाथत्वादिर ॥ धनमि । मधुलउयकः ॥ ॥ कालियानश्रुयर्ति
 जोकः नकिपाननुहिः ३३ः लवधालहायकः नालचाजानकः अग्निमधुलउ
 यकः ॥ ॥ गमथ ॥ ॥ पूरुषनाथगनिमूदाः सुनालोकप्रहाकनीः गृहिलाप्रानि
 नीः प्रानिवृद्धकलेयवर्तिनाः यनस्येनमनार्थः कामार्थपनिपूजयन् ॥

^{हा}
 नमः शिवाय नमः निगु को नमः श्री गि नमः अलि न नाया गमथ ॥ ॐ सर्व वृद्ध च
 गम निव ज्ञा ष्टी ष वी ध निष्ठ रक्त हृदया हा ॥ अय लि न नाय ॥ ॐ वज्र हा सप्त स
 यम नू त्म जे स्वा हा ॥ गम मान नाय ॥ ॥ सग नी नायः श्रीः पू नू षः मा ठ नाय ला ३
 न कं सि ह लू यः स्व चा क उ य कः स्व सि वा क्य दये ॥ थ उ थ म सी न य ॥ ध लि स र्ग
 वि य ॥ थ न अ रू नि र्म क र्प या न कः अ रू नि वि यः व लि वि य ॥ आ ग म स क
 मा लि पू जाः चा क पू जाः शि ष्या धि वा स न ॥ पू र्ण हा यः म धु ल धि ले कि नि

नः श्री सि वा दः म धु धा यः स र्ग न यः द क्त मः वा धं धू यः सि क्त ली ति यः क्ता
 ग्व च वि य कं ॥ दि गु स म यः कू मा लि छा यः च लू जा छा य ॥ वी १ रु डी नः
 न स्य वा कं ॥ ॐ दि व्या त्र य मा धा न ॥ ॥ प्री न न म्या हा ॥ च नू जा रोज न या
 न कः वि ष्य ष म्प या उः म रू थ मः ध उ व जि उ म ला न कं ॥ थ न ग्व म र्ची वि यः
 द म्पु र्थ ॥ थ न थ ल त्र मः स ह रोज न या न कः क लं र्व छा य ॥ अ रू षः स म या
 च कः अ रू नि या य ॥ स र्ग ध उ त्र रोज न या य ॥ ॐ नि वि वा ह क र्म वि धि
 क लः ज रा या ना र्हा कू माः थू लि वि धि या य मा ल ॥ ॐ रू म् ॥ ० ॥

